



Microfinance Institutions Network (MFIN)

**MFIN and UPMA organizes an interface with Uttar Pradesh State
Police**

Coverage Report

22nd February, 2019

Media Coverage Index

S. No.	Publication Name	Media
1.	Hindustan Times	Print
2.	Dainik Bhaskar	Print
3.	Dainik Jagran	Print
4.	Amar Ujala	Print
5.	Hindustan	Print
6.	Navbharat Times	Print
7.	Rashtriya Sahara	Print
8.	Rashtriya Swaroop	Print
9.	Aaj	Print
10.	Apna akhwaar	Print
11.	Avadhnama	Print
12.	Daily Aag	Print
13.	Daily News Activist	Print
14.	Gramyawaarta	Print
15.	Inqloabi Nazar	Print
16.	Jansandesh Times	Print
17.	Lucknow News	Print
18.	Daily Hunt	Online
19.	Shagun News	Online

Publication	Hindustan Times
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	04

Sensitisation workshop

LUCKNOW : With an aim to sensitise UP police about operational model of regulated microfinance providers, Microfinance Institutions Network (MFIN) and UP Microfinance Association (UPMA) organised a special interface event 'Strengthening Financial Inclusion: Role of Microfinance'. The event was held at Uttar Pradesh Police Radio Headquarters, Mahanagar on Wednesday. The event was attended by Rajendra Pal Singh, DG (EoW) and Abhay Prasad, ADG (EoW) of Uttar Pradesh Police. During the event, the police were made aware of the challenges faced by regulated micro credit providers and the frauds by microfinance clients.

HTC

Publication	Dainik Bhaskar
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	09

रेडियो मुख्यालय में इंटरफेस कार्यक्रम का आयोजन

मेरठ। माइक्रोफाइनांस को लेकर लोगों के साथ होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और लघु वित्तीय बैंकों और संस्थानों के कार्यपद्धति के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए यहां रेडियो प्रशिक्षण केन्द्र में स्ट्रेथनिंग फाइनेन्शियल इन्क्लूजन रोल ऑफ माइक्रोफाइनांस विषय पर इंटरफेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डीजी ईओडब्लू राजेन्द्र पाल सिंह और एडीजी ईओडब्लू अभय प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर माइक्रोफाइनांस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क के सीईओ हर्ष श्रीवास्तव सहित विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि एवं उत्तर प्रदेश पुलिस ईओडब्लू और एसआईटी के लोग मौजूद थे। इस दौरान डीजी ईओडब्लू राजेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि माइक्रोफाइनांस कंपनियां कम आय वाले परिवारों की आत्मनिर्भरता बढ़ाने के क्षेत्र में बेहतर काम कर रही हैं। जिसको देखते हुए प्रदेश पुलिस माइक्रोफाइनांस कंपनियों और उनके संगठन एमएफआईएन के प्रत्येक प्रयास में पूरी ईमानदारी से हर तरह की मदद करने को राजी है।

Publication	Dainik Jagran
Edition	Lucknow
Date	18 th February, 2019
Page No.	07

रेडियो मुख्यालय में कार्यक्रम

लखनऊ : माइक्रोफाइनांस को लेकर लोगों के साथ होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और लघु वित्तीय बैंकों और संस्थानों के कार्यपद्धति के प्रति संवेदनशील बनाने के लिये यहां रेडियो प्रशिक्षण केन्द्र में स्ट्रेथनिंग फाइनेन्शियल इन्क्लूजन रोल ऑफ माइक्रोफाइनांस विषय पर इंटरफेस कार्यक्रम का आयोजन किया।

उद्घाटन डीजी ईओडब्ल्यू राजेन्द्र पाल सिंह और एडीजी ईओडब्ल्यू अभय प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर माइक्रोफाइनांस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क के सीईओ हर्ष श्रीवास्तव सहित विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि एवं उत्तर प्रदेश पुलिस ईओडब्ल्यू और एसआइटी सहित कई लोग मौजूद थे। (जासं)

Publication	Amar Ujala
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	09

पुलिस ने समझी माइक्रो फाइनेंसिंग संस्थाओं की कार्यप्रणाली

लखनऊ। माइक्रो फाइनेंसिंग करने वाले वित्तीय संस्थानों की कार्य प्रणाली को समझने और उसके प्रति शंकाओं के समाधान के लिए कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें पुलिस की विभिन्न जांच एजेंसियों के विवेचकों को जानकारी दी गई। रेडियो मुख्यालय में हुई कार्यशाला में डीजी ईओडब्ल्यू आरपी सिंह ने विवेचकों को माइक्रो फाइनेंस व चिट फंड कंपनियों का अंतर समझाया। उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक के निदेशक अतुल ने कहा कि समाज में कंपनियों की जानकारी का अभाव है। चिट फंड कंपनियां आमतौर पर निवेशकों का धन लेकर भाग जाती हैं, लेकिन माइक्रो फाइनेंस कंपनी किसी से कोई राशि जमा नहीं कराती है, बल्कि उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए छोटे-छोटे लोन प्रदान करती है। कार्यशाला में एडीजी ईओडब्ल्यू अभय प्रसाद के साथ एमएफआईएन की मुख्य राज्य इनिशियेटिव अचला सव्यसाक्षी, उपमा के देवेश सचदेवा, स्माल फाइनेंस बैंक के मुख्य जोनल अफसर करुणेश निगम, उपमा के वाइस चेयरमैन विवेक तिवारी, सिडबी के जनरल मैनेजर सत्य प्रकाश सिंह और एमएफआईएन के सीईओ हर्ष श्रीवास्तव ने भी विचार व्यक्त किए।

Publication	Hindustan
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	09



माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के प्रति डर खत्म करने के लिए पुलिस रेडियो मुख्यालय में बुधवार को बैठक हुई। इसमें लोगों को आवश्यक जानकारी दी गई।

पुलिस माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के प्रति डर खत्म करेगी

लखनऊ। निम्न आय वर्ग परिवार के बेरोजगारों को माइक्रो फाइनेंस कम्पनियों से ऋण लेने में हिचक रहती है। मन में कई तरह की शंकाये रहती हैं। इन शंकाओं और डर को खत्म करने के लिए ही गुरुवार को आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने माइक्रो फाइनेंस कम्पनियों के अफसरों के साथ संवाद बैठक किया। पुलिस रेडियो मुख्यालय में आयोजित इस गोष्ठी में मुख्य अतिथि ईओडब्ल्यू के डीजी राजेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि माइक्रो कम्पनियां किसी से रुपये नहीं जमा करवाती है, बल्कि लोगों को रोजगार के लिए बहुत कम दर पर ऋण देती हैं।

Publication	Navbharat Times
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	05

आयोजन

आर्थिक अपराध शाखा और एमएफआईएन की कार्यशाला में मिली जानकारी

निवेश पर नजर न रखने से बैंकों को होती है दिक्कत

■ एनबीटी, लखनऊ

बैंकों के लोन की रकम डूबने का सबसे बड़ा कारण निवेश की निगरानी न होना है। कर्जदार लोन नहीं जमा करता है तो आर्थिक अपराध की श्रेणी में आ जाता है। ऐसी समस्याओं को दूर कर आर्थिक अपराध पर नियंत्रण के लिए बुधवार को ईओडब्ल्यू और एमएफआईएन की ओर से रेडियो मुख्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बैंकिंग सेक्टर और पुलिस के अफसरों ने हिस्सा लिया।

महानिदेशक आर्थिक अपराध शाखा राजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि कुटीर उद्योग

रेडियो मुख्यालय में बुधवार को हुई कार्यशाला में बैंकिंग सेक्टर और पुलिस अफसरों ने लिया हिस्सा



राजेंद्र पाल सिंह ने दीप जला कर कार्यक्रम का किया शुभारंभ।

के लिए लोन देने वाली माइक्रो फाइनेंस कंपनियों की सबसे ज्यादा रकम डूब रही है। उन्होंने बताया कि ऐसी कंपनियां लोन के बदले गारंटी के तौर पर कोई संपत्ति गिरवी नहीं रखती हैं। लोन देने के बाद रकम सही जगह निवेश हुआ या उसका

गलत उपयोग किया गया इसकी निगरानी भी नहीं की जाती है। लोन लेने वाले ग्राहक तय प्रोजेक्ट की बजाय रकम कहीं और निवेश कर देते हैं। इसकी वजह से वह घाटे में चले जाते हैं और बैंक की रकम लौटा नहीं पाते हैं। बैंकर्स को लोन देने के साथ ही इसके सही निवेश और प्रोजेक्ट के संचालन तक की निगरानी करनी चाहिए।

आर्थिक अपराध शाखा में सबसे ज्यादा मामलों बैंक लोन से जुड़े आ रहे हैं। इसपर नियंत्रण के लिए इस क्षेत्र में काम करने वाली माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूट्स नेटवर्क के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें एमएफआईएन के स्टेट इनेसेटिव जितेंद्र हांडू, सीईओ सुधीर सिन्हा, हर्ष श्रीवास्तव, ईओडब्ल्यू के एसपी हबीबुल हसन, डिप्टी एसपी अशोक वर्मा सहित कई अफसर मौजूद थे।

Publication	Rashtriya Sahara
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	04

रेडियो मुख्यालय में कार्यशाला आयोजित

लखनऊ (एसएनबी)। पुलिस रेडियो मुख्यालय महानगर के सभागार में बुधवार को आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन, विशेष अनुसंधान दल लखनऊ व एमएफआईएन के संयुक्त तत्वाधान में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें आर्थिक अपराध अनुसंधान एवं एसआईटी के अफसरों व विवेचकों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीजी ईओडब्ल्यू राजेन्द्र पाल सिंह, एमएफआईएन एवीपी स्टेट इनिशियेटिव व जितेन्द्र हाण्डू व सीईओ सुधीर सिन्हा थे। डीजी



राजेन्द्र पाल सिंह ने माइक्रो फाइनेंस कम्पनीज के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह छोटे गरीब परिवार विशेष कर गरीब महिलाओं को लघु ऋण देने का काम करती है। फाइनेंस कम्पनियों के प्रति होने वाली शंकाओं को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

माइक्रो फाइनेंस कम्पनी निम्न आय वर्ग की आबादी को कार्यशील पूंजी की आवश्यकता को पूरा करने में मदद करती है। यह आर्थिक रूप से पिछड़ी रोजगार करने वाली महिलाओं को ऋण उपलब्ध कराती है और फिर उसे सप्ताहिक, मासिक, पाक्षिक रूप से किस्तवार जमा कराती है। कार्यशाला में एडीजी अभय प्रसाद ने समस्याओं व शंकाओं का सामाधान करते हुए अपने विचार व्यक्त किये।

Publication	Rashtriya Swaroop
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	03

माइक्रोफाइनेंस अपराधों को लेकर पुलिस को किया गया जागरूक

रेडियो प्रशिक्षण केन्द्र में आयोजित हुआ इंटरफेस कार्यक्रम

लखनऊ (वरिष्ठ संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पुलिस को माइक्रोफाइनेंस प्रदाताओं और लघु वित्तीय बैंकों, संस्थानों के परिचालन मॉडल के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से आज यहां रेडियो प्रशिक्षण केन्द्र में स्ट्रेथनिंग फाइनेंसियल इन्क्लूजन रोल ऑफ माइक्रोफाइनेंस विषय पर इंटरफेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूट्स नेटवर्क ने उत्तर प्रदेश माइक्रोफाइनेंस एसोसिएशन के साथ मिलकर के किये गये इस विशेष कार्यक्रम का शुभारम्भ डी.जी. ई.ओ. डब्ल्यू राजेन्द्र पाल सिंह और एडीजी ईओडब्ल्यू अभय प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर 130 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिसमें 90 यूपी पुलिस ईओडब्ल्यू और एसआईटी से सम्बन्धित लोग शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान विनियमित माइक्रो

क्रेडिट प्रदाताओं द्वारा झेली जा रही को जागरूक किया गया। माइक्रोफाइनेंस चुनौतियों तथा माइक्रोफाइनेंस ग्राहकों के इंस्टीट्यूट्स नेटवर्क के सीईओ हर्ष



साथ होने वाली धोखाधड़ी और श्रीवास्तव ने राज्य के सभी विनियमित माइक्रोफाइनेंस अपराधों के बारे में पुलिस वित्तीय संस्थानों तथा यूपी पुलिस के

सदस्यों को एक साथ लाने वाला कोई मंच तैयार करना हमारा उद्देश्य था। इससे न सिर्फ हमें पुलिस को एमएफआईएन की कार्यप्रणाली और उनके सामने सर उठाने वाली वास्तविक कठिनाइयों के प्रति संवेदनशील बनाने का अवसर मिला बल्कि इसने हमें पुलिस का इस बारे में दृष्टिकोण जानने में भी मदद की कि वे कौन से बुनियादी कार्य हैं जिनको अमल में लाकर माइक्रो क्रेडिट प्रदाता स्वयं और अपने ग्राहकों के लिए जोखिम घटा सकते हैं। यूपी पुलिस के डीजी ईओडब्ल्यू राजेन्द्र पाल सिंह का कहना था। माइक्रोफाइनेंस कंपनियां कम आय वाले परिवारों की आत्मनिर्भरता बढ़ाने के क्षेत्र में शानदार काम कर रही हैं। पुलिस माइक्रोफाइनेंस कंपनियों और उनके संगठन एमएफआईएन के प्रत्येक प्रयास में पूरी ईमानदारी से हर तरह की मदद करने को राजी है।

Publication	Aaj
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	10

यूपी पुलिस को किया गया जागरूक

**माइक्रोफाइनेंस अपराध पर
इंटरफेस कार्यक्रम आयोजित**

(आज समाचार सेवा)

लखनऊ, बुधवार। उत्तर प्रदेश पुलिस को माइक्रोफाइनेंस प्रदाताओं और लघु वित्तीय बैंकों, संस्थानों के परिचालन मॉडल के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से रेडियो प्रशिक्षण केन्द्र में स्ट्रेथनिंग फाइनेंशियल इन्क्लूजन रोल ऑफ माइक्रोफाइनांस विषय पर इंटरफेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माइक्रोफाइनांस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क ने उत्तर प्रदेश माइक्रोफाइनांस एसोसिएशन के साथ मिलकर के किये गये इस विशेष कार्यक्रम का शुभारम्भ डीजी ईओडब्लू राजेन्द्र पाल सिंह और एडीजी ईओडब्लू अभय प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर 130 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया,



जिसमें 90 यूपी पुलिस ईओडब्लू और एसआईटी से सम्बन्धित लोग शामिल थे। कार्यक्रम में विनियमित माइक्रो क्रेडिट प्रदाताओं द्वारा झेली जा रही चुनौतियों तथा माइक्रोफाइनांस ग्राहकों के साथ होने वाली धोखाधड़ी और माइक्रोफाइनांस अपराधों के बारे में

पुलिस को जागरूक किया गया। माइक्रोफाइनांस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क के सीईओ हर्ष श्रीवास्तव ने राज्य के सभी विनियमित वित्तीय संस्थानों तथा यूपी पुलिस के सदस्यों को एक साथ लाने वाला कोई मंच तैयार करना हमारा उद्देश्य था।

Publication	Apna Akhwaar
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	32

माइक्रोफाइनांस अपराधों को लेकर पुलिस को किया गया जागरूक

लखनऊ, 13 फरवरी (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश पुलिस को माइक्रोफाइनेंस प्रदाताओं और लघु वित्तीय बैंकों, संस्थानों के परिचालन मॉडल के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से आज यहां रेडियो प्रशिक्षण केन्द्र में स्ट्रेथनिंग फाइनेन्शियल इन्वेलूजन रोल ऑफ माइक्रोफाइनांस विषय पर इंटरफेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माइक्रोफाइनांस इंस्टीट्यूट्स नेटवर्क ने उत्तर प्रदेश माइक्रोफाइनांस एसोसिएशन के साथ मिलकर के किये गये इस विशेष कार्यक्रम का शुभारम्भ डीजी ईओडब्लू राजेन्द्र पाल सिंह और एडीजी ईओडब्लू अभय प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर 130 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिसमें 90 यूपी पुलिस ईओडब्लू और एसआईटी से सम्बन्धित लोग शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान विनियमित माइक्रो क्रेडिट प्रदाताओं द्वारा झेली जा रही चुनौतियों तथा माइक्रोफाइनांस ग्राहकों के साथ होने वाली धोखाधड़ी और माइक्रोफाइनांस अपराधों के बारे में पुलिस को जागरूक किया गया। माइक्रोफाइनांस इंस्टीट्यूट्स नेटवर्क के सीईओ हर्ष श्रीवास्तव ने श्राज्य के सभी विनियमित वित्तीय संस्थानों तथा यूपी पुलिस के सदस्यों को एक साथ लाने वाला कोई मंच तैयार करना हमारा उद्देश्य था। इससे न सिर्फ हमें पुलिस को एमएफआईज की कार्यप्रणाली और उनके सामने सर उठाने वाली वास्तविक कठिनाइयों के प्रति संवेदनशील बनाने का अवसर मिला, बल्कि इसने हमें पुलिस का इस बारे में प्ठिकोण जानने में भी मदद की कि वे कौन से बुनियादी कार्य हैं जिनको अमल में लाकर माइक्रो क्रेडिट प्रदाता स्वयं और अपने ग्राहकों के लिए जोखिम घटा सकते हैं।

Publication	Avadhnama
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	3

रेडियो प्रशिक्षण केन्द्र में इंटरफेस कार्यक्रम हुआ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस को माइक्रोफाइनेंस प्रदाताओं और लघु वित्तीय बैंकों, संस्थानों के परिचालन मॉडल के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से आज यहां रेडियो प्रशिक्षण केन्द्र में स्ट्रेनिंग फाइनेन्शियल इन्क्लूजन रोल ऑफ माइक्रोफाइनांस विषय पर इंटरफेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माइक्रोफाइनांस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क ने उत्तर प्रदेश माइक्रोफाइनांस एसोसिएशन के साथ मिलकर के किये गये इस विशेष कार्यक्रम का शुभारम्भ डीजी ईओडब्ल्यू राजेन्द्र पाल सिंह और एडीजी ईओडब्ल्यू अभय प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर 130 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिसमें 90 यूपी पुलिस ईओडब्ल्यू और एसआईटी से सम्बन्धित लोग शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान विनियमित माइक्रो क्रेडिट प्रदाताओं द्वारा झेली जा रही चुनौतियों तथा

माइक्रोफाइनांस ग्राहकों के साथ होने वाली धोखाधड़ी और माइक्रोफाइनांस अपराधों के बारे में पुलिस को जागरूक किया गया। माइक्रोफाइनांस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क के सीईओ हर्ष श्रीवास्तव ने श्राज्य के सभी विनियमित वित्तीय संस्थानों तथा यूपी पुलिस के सदस्यों को एक साथ लाने वाला कोई मंच तैयार करना हमारा उद्देश्य था। इससे न सिर्फ हमें पुलिस को एमएफआईज की कार्यप्रणाली और उनके सामने सर उठाने वाली वास्तविक कठिनाइयों के प्रति संवेदनशील बनाने का अवसर मिला, बल्कि इसने हमें पुलिस का इस बारे में दृष्टिकोण जानने में भी मदद की कि वे कौन से बुनियादी कार्य हैं, जिनको अमल में लाकर माइक्रो क्रेडिट प्रदाता स्वयं और अपने ग्राहकों के लिए जोखिम घटा सकते हैं। यूपी पुलिस के डीजी ईओडब्ल्यू राजेन्द्र पाल सिंह का कहना था।

Publication	Daily Aag
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	4

مائکرو فنانس اور چٹ فنڈ کمپنی میں بتایا گیا فرق

ای او ڈبلیو ایس آئی ٹی کے لوگوں کو دی گئی معلومات

ای او ڈبلیو اور ایس آئی ٹی نے ایک ورکشاپ کا انعقاد کیا۔ ورکشاپ میں ای او ڈبلیو کے ڈی جی راجیو رپال سنگھ بطور مہمان خصوصی شامل ہوئے۔ ای او ڈبلیو میں تعینات ایڈیشنل ایس پی حبیب الحسن نے بتایا کہ ای او ڈبلیو اور ایس آئی ٹی سے جڑے ریاست بھر سے ۱۱۰ ملازمین نے اس ورکشاپ میں شرکت کی۔

انہوں نے بتایا کہ اس ورکشاپ میں مائکرو فنانس کمپنی اور چٹ فنڈ کمپنی کے کام کیلئے طریقے اور اس سے منسلک پہلوؤں کو بتایا گیا ہے۔ اس ورکشاپ میں جتندر ہانڈو، اے وی پی اسٹیٹ انیشیٹیو ایم ایف آئی این، سدھیر سنہاسی ای او انکرس اسال فنانس بینک کے بورڈ آف ڈائریکٹر، سابق ڈی جی پی اٹل کمار، اچلا سانبیا ساکشی، دیوش سچید یوا، کرویش نگم، ہرش شریواستو، ستیہ پرکاش سنگھ اور اے کے سنگھ جیسے جانکاروں نے تفصیل سے اس موضوع پر معلومات فراہم کیں۔



ریڈیو ہیڈ کوارٹر پر ڈی جی پی ورکشاپ میں لوگوں سے ملتے ہوئے۔

کر ایک ورکشاپ کا انعقاد کیا۔ اس ورکشاپ میں ڈی جی ای او ڈبلیو سمیت دیگر لوگوں نے اس موضوع پر تفصیلی طور سے تفتیش کنندگان کو بتایا۔ بدھ کو مہانگر واقع ریڈیو ہیڈ کوارٹر پر

لکھنؤ۔ (نامہ نگار)۔ اقتصادی جرائم برانچ سے متعلق افسران اور ملازمین کو بدھ کو مائکرو فنانس کمپنی اور چٹ فنڈ کمپنی سے متعلق پوری معلومات فراہم کرائی گئی۔ اس کیلئے ای او ڈبلیو اور ایس آئی ٹی نے مل

Publication	Daily News Activist
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	4

रेडियो प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित हुआ इंटरफेस कार्यक्रम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस को माइक्रोफाइनेन्स प्रदाताओं और लघु वित्तीय बैंकों, संस्थानों के परिचालन मॉडल के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से बुधवार को यहां रेडियो प्रशिक्षण केन्द्र में स्ट्रेथनिंग फाइनेन्शियल इन्क्लूजन रोल ऑफ माइक्रोफाइनांस विषय पर इंटरफेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ डीजी ईओडब्लू राजेन्द्र पाल सिंह और एडीजी ईओडब्लू अभय प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर 130 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिसमें 90 यूपी पुलिस ईओडब्लू और एसआईटी से संबंधित लोग शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान विनियमित माइक्रो क्रेडिट प्रदाताओं द्वारा झेली जा रही चुनौतियों तथा माइक्रोफाइनांस ग्राहकों के साथ होने वाली धोखाधड़ी और माइक्रोफाइनांस अपराधों के बारे में पुलिस को जागरूक किया गया। माइक्रोफाइनांस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क के सीईओ हर्ष श्रीवास्तव ने सभी विनियमित वित्तीय संस्थानों तथा यूपी पुलिस के सदस्यों को एक साथ लाने वाला कोई मंच तैयार करना हमारा उद्देश्य था।

Publication	Gramyawaarta
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	4

माइक्रोफाइनांस अपराधों को लेकर पुलिस को किया गया जागरूक

❖ रेडियो प्रशिक्षण केन्द्र में
आयोजित हुआ इंटरफेस कार्यक्रम

ग्राम्यवार्ता संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस को माइक्रोफाइनेंस प्रदाताओं और लघु वित्तीय बैंकों, संस्थानों के परिचालन मॉडल के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से आज यहां रेडियो प्रशिक्षण केन्द्र में स्ट्रेथनिंग फाइनेन्शियल इन्क्लूजन रोल ऑफ माइक्रोफाइनांस विषय पर इंटरफेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

माइक्रोफाइनांस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क ने उत्तर प्रदेश माइक्रोफाइनांस एसोसिएशन के साथ मिलकर के किये गये इस विशेष कार्यक्रम का शुभारम्भ डीजी ईओडब्लू राजेन्द्र पाल सिंह और एडीजी ईओडब्लू अभय प्रसाद ने दीप

प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर 130 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिसमें 90 यूपी पुलिस ईओडब्लू और एसआईटी से सम्बन्धित लोग शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान विनियमित माइक्रो क्रेडिट प्रदाताओं द्वारा झेली जा रही चुनौतियों तथा माइक्रोफाइनांस ग्राहकों के साथ होने वाली धोखाधड़ी और माइक्रोफाइनांस अपराधों के बारे में पुलिस को जागरूक किया गया। माइक्रोफाइनांस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क के सीईओ हर्ष श्रीवास्तव ने श्राज्य के सभी विनियमित वित्तीय संस्थानों तथा यूपी पुलिस के सदस्यों को एक साथ लाने वाला कोई मंच तैयार करना हमारा उद्देश्य था। इससे न सिर्फ हमें पुलिस को एमएफआईज की कार्यप्रणाली और उनके सामने सर उठाने वाली वास्तविक कठिनाइयों के प्रति संवेदनशील बनाने का अवसर मिला।

Publication	Inqloabi Nazar
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	4

माइक्रो फाइनेंस व चिटफंड कंपनी में बताया फर्क

लखनऊ (सं)। आर्थिक अपराध शाखा से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को बुधवार को माइक्रो फाइनेंस कम्पनी और चिटफंड कम्पनी से संबंधित पूरी जानकारी दी गयी। इसके लिए ईओडब्लू और एसआईटी ने मिलकर एक कार्यशाला को आयोजन किया। इस कार्यशाला में डीजी ईओडब्लू सहित अन्य लोगों ने इस विषय पर विस्तृत रूप से विवेचकों को बताया।

बुधवार को महानगर स्थित रेडियो मुख्यालय पर ईओडब्लू और एसआईटी ने एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में ईओडब्लू के डीजी राजेन्द्र पाल सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। ईओडब्लू में तैनात एडिशल एसपी हबीबुल हसन ने बताया कि ईओडब्लू और एसआईटी से जुड़े

- ⦿ ईओडब्लू व एसआईटी के लोगों को दी गयी जानकारी
- ⦿ रेडियो मुख्यालय पर कार्यशाला का आयोजन
- ⦿ डीजी ईओडब्लू रहे मुख्य अतिथि

प्रदेश भर से 110 कर्मचारियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला ने माइक्रो फाइनेंस कम्पनी और चिटफंड कम्पनी के काम करने के लिए तरीके और उससे जुड़े पहलुओं को बताया गया है। इस कार्यशाला में जितेन्द्र



हाण्डु एवीपी स्टेट इनिशियेटिव एमएफआईएन, सुधीर सिन्हा सीईओ उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक के बोर्ड आफ डायरेक्टर, पूर्व डीजीपी अतुल कुमार, अचला साव्यासाक्षी, देवेश

सचदेवा, करुणेश निगम, विवेक तिवारी, हरा श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश सिंह और एके सिंह जैसे जानकारों ने विस्तार से इस विषय पर जानकारी साझा की।

Publication	Jansandesh Times
Edition	Lucknow
Date	14 th February, 2019
Page No.	4

एमएफआईएन-यूपीएमए ने इंटरफेस किया आयोजित

लखनऊ। देश की माइक्रोफाइनांस इंडस्ट्री के प्रमुख उद्योग संगठन तथा आरबीआई द्वारा मान्यता-प्राप्त एक स्व-नियामक संस्था माइक्रोफाइनांस इंडस्टीट्यूट्स नेटवर्क (एमएफआईएन) ने यूपी के माइक्रोफाइनांस संस्थानों के प्रमुख संगठन उत्तर प्रदेश माइक्रोफाइनांस एसोसिएशन (यूपीएमए) के साथ मिलकर एक विशेष इंटरफेस कार्यक्रम ह्यूस्ट्रेंथनिंग फाइनैशियल इन्क्लूजन: रोल ऑफ माइक्रोफाइनांस का आयोजन किया। यूपी पुलिस को नॉन-बैंकिंग फाइनांस कंपनी-माइक्रोफाइनांस इंडस्टीट्यूट्स (एनबीएफसी-एमएफआईएन) जैसे विनियमित माइक्रोफाइनांस प्रदाताओं, लघु वित्तीय बैंकों आदि के परिचालन मॉडल के बारे में संवेदनशील बनाना इस सत्र को आयोजित करने का उद्देश्य था। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश पुलिस रेडियो प्रशिक्षण केंद्र में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में डीजी (ईओडब्ल्यू) राजेंद्र पाल सिंह और एडीजी (ईओडब्ल्यू) अभय प्रसाद ने अपनी सम्माननीय उपस्थिति दर्ज कराई। आयोजन में कुल 130 प्रतिनिधि मौजूद थे, जिनमें से 90 लोग यूपी पुलिस (ईओडब्ल्यू और एसआईटी) से संबंधित थे, जबकि अन्य लोग एमएफआईएन, यूपीएमए तथा दूसरी माइक्रोफाइनांस संस्थानों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान विनियमित माइक्रो क्रेडिट प्रदाताओं द्वारा झेली जा रही चुनौतियों तथा माइक्रोफाइनांस ग्राहकों के साथ होने वाली धोखाधड़ी और माइक्रोफाइनांस अपराधों के बारे में पुलिस को जागरूक किया गया। एमएफआईएन के सीईओ हर्ष श्रीवास्तव ने कहा राज्य के सभी विनियमित वित्तीय संस्थानों तथा यूपी पुलिस के सदस्यों को एक साथ लाने वाला कोई मंच तैयार करना हमारा उद्देश्य था।

Publication	Lucknow News
Edition	Lucknow
Date	18 th February, 2019
Page No.	9

MFIN and UPMA organizes an interface with Uttar Pradesh State Police

Lucknow : Microfinance Institutions Network (MFIN), an industry association and an RBI recognized self-regulatory organization for microfinance industry in India, and Uttar Pradesh Microfinance Association (UPMA), a state level association of microfinance institutions in UP, organized a special interface event 'Strengthening Financial Inclusion: Role of Microfinance'.

The session was organized with an aim to sensitize UP Police about operational model of regulated microfinance providers such as Non-Banking Finance Company-Microfinance Institutions (NBFC-MFIs), Small Finance Banks etc. Uttar Pradesh Police Radio Prashikshan Kendra was the venue for the event.

The program was attended by Rajendra Pal Singh, DG (EoW) and Abhay Prasad, ADG (EoW) of Uttar Pradesh Police. Total 130 delegates were present at the event out of



which 90 representatives were from UP Police (EoW and SIT) and others included representatives from MFIN, UPMA and microfinance institutions. During the event, the police were made aware of the challenges faced by regulated micro credit providers and the frauds and economic offences faced by microfinance clients.

Speaking at the event

Harsh Shrivastava, CEO, MFIN said, "Our aim was to create a platform that would bring together all regulated microfinance institutions in the state and UP Police members. It gave us an opportunity to not only sensitize Police about the workings of the MFIs and challenges faced by them on-ground but also helped us get a perspective from them on

how basic practices that micro credit providers can follow and mitigate risk on the field for themselves and their clients. We look forward to greater coordination between microfinance institutions in the state and UP Police."

Rajendra Pal Singh, DG (EoW), UP Police said, "Microfinance companies are doing a great job of building

self reliance for low income households. The police is willing to offer all genuine help to the microfinance companies and their association MFIN in all their endeavours."

Uttar Pradesh is one of the largest states in terms of microfinance Gross Loan Portfolio (GLP) with a ranking of sixth place, having 26 lakh clients (primarily women in rural areas). Women constitute 99% of micro-credit beneficiaries in the country. Institutions offering micro credit such as NBFC-MFIs, Small Finance Banks etc are working towards providing an easy access to financial services to underserved and unbanked population in India. These institutions fill an unfunded credit gap for women who do not have the wherewithal to provide collateral or security of any sort. Through providing last mile financial services even to clients in remote rural areas, these institutions promote the Government's financial inclusion agenda.

Publication	Daily Hunt
Edition	Online
Date	18 th February, 2019
Link	https://m.dailyhunt.in/news/india/hindi/shagun+news-epaper-shagun/emaephaaaaien+aur+yupiemae+ne+uttar+pradesh+rajy+pulis+ke+sath+milakar+ek+intaraphes+kiya+aayojit-newsid-108765201






समाचार
नीएडा: बावरिया गिरोह का शातिर
बदमाश पत्नी सहित गिरफ्तार, सिर पर
था 50 हजार का...

18 NOV AGO



होम
कभी सुखा मिली ही नहीं तो क्या
वापस ले रही सरकार : अलगाववादी
नेता यासीन...

18 NOV AGO



होम
जानिए क्या है '1267' जिससे बेचैन हैं
पाकिस्तान, चीन और सऊदी...

18 NOV AGO



होम
भारत में अगले महीने से शुरू होगी
Samsung Galaxy S10+ की
बिक्री: ये रही...

होम

एमएफआईएन और यूपीएमए ने उत्तर प्रदेश राज्य पुलिस के साथ मिलकर एक इंटरफेस किया आयोजित



लखनऊ, 14 फरवरी, 2019: भारत की माइक्रोफाइनांस इंडस्ट्री के प्रमुख उद्योग संगठन तथा आरबीआई द्वारा मान्यता-प्राप्त एक स्व-नियामक संस्था माइक्रोफाइनांस इंस्टीट्यूट्स नेटवर्क (एमएफआईएन) ने यूपी के माइक्रोफाइनांस संस्थानों के प्रमुख संगठन उत्तर प्रदेश माइक्रोफाइनांस एसोसिएशन (यूपीएमए) के साथ मिलकर एक विशेष इंटरफेस कार्यक्रम 'स्ट्रैथनिंग फाइनेंशियल इन्क्लूजन: रोल ऑफ माइक्रोफाइनांस' का आयोजन किया। यूपी पुलिस को नॉन-बैंकिंग फाइनांस कंपनी-माइक्रोफाइनांस इंस्टीट्यूट्स (एनबीएफसी-एमएफआईएन) जैसे विनियमित माइक्रोफाइनांस प्रदाताओं, लघु वित्तीय बैंकों आदि के परिचालन मॉडल के बारे में संवेदनशील बनाना इस सत्र को आयोजित करने का उद्देश्य था। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश पुलिस रेडियो प्रशिक्षण केंद्र में संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में डीजी (ईओडब्ल्यू) राजेंद्र पाल सिंह और एडीजी (ईओडब्ल्यू) अभय प्रसाद ने अपनी सम्माननीय उपस्थिति दर्ज कराई। आयोजन में कुल 130 प्रतिनिधि मौजूद थे, जिनमें से 90 लोग यूपी पुलिस (ईओडब्ल्यू और एसआईटी) से संबंधित थे, जबकि अन्य लोग एमएफआईएन, यूपीएमए तथा दूसरी माइक्रोफाइनांस संस्थानों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान विनियमित माइक्रो क्रेडिट प्रदाताओं द्वारा झेली जा रही चुनौतियों तथा माइक्रोफाइनांस ग्राहकों के साथ होने वाली धोखाधड़ी और माइक्रोफाइनांस अपराधों के बारे में पुलिस को जागरूक किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए एमएफआईएन के सीईओ हर्ष श्रीवास्तव ने कहा, "राज्य के सभी विनियमित वित्तीय संस्थानों तथा यूपी पुलिस के सदस्यों को एक साथ लाने वाला कोई मंच तैयार करना हमारा उद्देश्य था। इससे न सिर्फ हमें पुलिस को एमएफआईएन की कार्यप्रणाली और उनके सामने सर उठाने वाली वास्तविक कठिनाइयों के प्रति संवेदनशील बनाने का अवसर मिला, बल्कि इसने हमें पुलिस का इस बारे में दृष्टिकोण जानने में भी मदद की कि वे कौन-से बुनियादी कार्य हैं, जिनको अमल में लाकर माइक्रो क्रेडिट प्रदाता स्वयं और अपने ग्राहकों के लिए जोखिम घटा सकते हैं। हमें आशा है कि राज्य के माइक्रोफाइनांस संस्थानों और यूपी पुलिस के बीच समन्वय बढ़ेगा।"

यूपी पुलिस के डीजी (ईओडब्ल्यू) राजेंद्र पाल सिंह का कहना था कि, "माइक्रोफाइनांस कंपनियां कम आय वाले परिवारों की आत्मनिर्भरता बढ़ाने के क्षेत्र में शानदार काम कर रही हैं। पुलिस माइक्रोफाइनांस कंपनियों और उनके संगठन एमएफआईएन के प्रत्येक प्रयास में पूरी ईमानदारी से हर तरह की मदद करने को राजी है।"

Publication	Shagun News
Edition	Online
Date	18 th February, 2019
Link	https://shagunnewsindia.com/uttar-pradesh-mfin-and-upma-organizes-an-interface-with-uttar-pradesh-state-police/

एमएफआईएन और यूपीएमए ने उत्तर प्रदेश राज्य पुलिस के साथ मिलकर एक इंटरफेस किया आयोजित

February 14, 2019

17 9



लखनऊ, 14 फरवरी, 2019: भारत की माइक्रोफाइनांस इंडस्ट्री के प्रमुख उद्योग संगठन तथा आरबीआई द्वारा मान्यता-प्राप्त एक स्व-नियामक संस्था माइक्रोफाइनांस इंस्टीट्यूट्स नेटवर्क (एमएफआईएन) ने यूपी के माइक्रोफाइनांस संस्थानों के प्रमुख संगठन उत्तर प्रदेश माइक्रोफाइनांस एसोसिएशन (यूपीएमए) के साथ मिलकर एक विशेष इंटरफेस कार्यक्रम 'स्ट्रैथिंग फाइनेंशियल इन्क्लूजन: रोल ऑफ माइक्रोफाइनांस' का आयोजन किया। यूपी पुलिस को नॉन-बैंकिंग फाइनांस कंपनी-माइक्रोफाइनांस इंस्टीट्यूट्स (एनबीएफसी-एमएफआईएन) जैसे विनियमित माइक्रोफाइनांस प्रदाताओं, लघु वित्तीय बैंकों आदि के परिचालन मॉडल के बारे में संवेदनशील बनाना इस सत्र को आयोजित करने का उद्देश्य था। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश पुलिस रेडियो प्रशिक्षण केंद्र में संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में डीजी (ईओडब्ल्यू) राजेंद्र पाल सिंह और एडीजी (ईओडब्ल्यू) अभय प्रसाद ने अपनी सम्माननीय उपस्थिति दर्ज कराई। आयोजन में कुल 130 प्रतिनिधि मौजूद थे, जिनमें से 90 लोग यूपी पुलिस (ईओडब्ल्यू और एसआईटी) से संबंधित थे, जबकि अन्य लोग एमएफआईएन, यूपीएमए तथा दूसरी माइक्रोफाइनांस संस्थानों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान विनियमित माइक्रो क्रेडिट प्रदाताओं द्वारा झेली जा रही चुनौतियों तथा माइक्रोफाइनांस ग्राहकों के साथ होने वाली धोखाधड़ी और माइक्रोफाइनांस अपराधों के बारे में पुलिस को जागरूक किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए एमएफआईएन के सीईओ हर्ष श्रीवास्तव ने कहा, "राज्य के सभी विनियमित वित्तीय संस्थानों तथा यूपी पुलिस के सदस्यों को एक साथ लाने वाला कोई मंच तैयार करना हमारा उद्देश्य था। इससे न सिर्फ हमें पुलिस को एमएफआईएन की कार्यप्रणाली और उनके सामने सर उठाने वाली वास्तविक कठिनाइयों के प्रति संवेदनशील बनाने का अवसर मिला, बल्कि इसने हमें पुलिस का इस बारे में दृष्टिकोण जानने में भी मदद की कि वे कौन-से बुनियादी कार्य हैं, जिनको अमल में लाकर माइक्रो क्रेडिट प्रदाता स्वयं और अपने ग्राहकों के लिए जोखिम घटा सकते हैं। हमें आशा है कि राज्य के माइक्रोफाइनांस संस्थानों और यूपी पुलिस के बीच समन्वय बढ़ेगा।"

यूपी पुलिस के डीजी (ईओडब्ल्यू) राजेंद्र पाल सिंह का कहना था कि, "माइक्रोफाइनांस कंपनियां कम आय वाले परिवारों की आत्मनिर्भरता बढ़ाने के क्षेत्र में शानदार काम कर रही हैं। पुलिस माइक्रोफाइनांस कंपनियों और उनके संगठन एमएफआईएन के प्रत्येक प्रयास में पूरी ईमानदारी से हर तरह की मदद करने को राजी है।"